


अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	राजस्थान परिदृश्य 1. जल निर्मलता पुरस्कार : डॉ. अनिल मेहता 2. पर्वतारोही मनस्वी अग्रवाल 3. हरिद्वार के बैरागी द्वीप पर महाराणा प्रताप पर केंद्रित झाँकी 4. 'भूकंप सुरक्षा एवं भूकंप मानक' विषय पर संगोष्ठी 5. पर्यटक वाहनों पर 'यात्री कर' (22 वर्ष बाद पुनः शुरुआत) 6. टॉम टॉम ट्रैफिक इंडेक्स - 2025 में जयपुर 30वें स्थान पर 7. राजस्थान की पहली पॉइजन डिटेक्शन ड्रग लेवल टॉक्सिकोलॉजी लैब 8. PM विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत प्रदर्शनी एवं व्यापार मेला 9. सरस्वती वंदन, युवा संवाद एवं मेगा PTM 10. राजस्थान संपर्क पोर्टल 11. BSF का 'ऑपरेशन सर्द हवा' 12. सुनीता धोबी और सुरेंद्र बिश्रोई 13. राज्य स्तरीय बड़ली भैरू पशु मेला, 2026 14. AIIMS जोधपुर का अनुसंधान सप्ताह 15. राज्य स्तरीय किसान मेला 'किन्नू महाकुंभ' 16. कोग्निवेरा पोलो कप, 2026
2.	LR-AshM
3.	बोर्ड ऑफ पीस
4.	संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् - UNSC
5.	पवित्र उपवन
6.	सैन्य क्वांटम मिशन नीति ढाँचा
7.	निर्यात संवर्धन मिशन (EPM)
8.	वायु गुणवत्ता प्रबन्धन आयोग (CAQM): रिपोर्ट
9.	प्रकृति के लिए वित्त की स्थिति रिपोर्ट-2026
10.	नागरिक - केंद्रित सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज
11.	सुभाष चंद्र बोस : पराक्रम दिवस



राजस्थान परिदृश्य



क्र. सं.	न्यूज़
1.	<p>जल निर्मलता पुरस्कार : डॉ. अनिल मेहता</p>  <ul style="list-style-type: none">■ प्राचार्य एवं प्रसिद्ध जल विशेषज्ञ डॉ. अनिल मेहता (उदयपुर निवासी) को भारत के सबसे बड़े जल-विशेषज्ञ संगठन इंडियन वॉटर वर्क्स एसोसिएशन (IWWA) के 58वें राष्ट्रीय जल सम्मेलन में प्रतिष्ठित 'जल निर्मलता पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।■ यह पुरस्कार भारत के पूर्व जल संसाधन सचिव एवं स्टॉकहोम वॉटर प्राइज से सम्मानित जल अभियंता डॉ. एम. ए. चितले द्वारा स्थापित किया गया है।■ IWWA घरेलू, औद्योगिक एवं कृषि उपयोग हेतु गुणवत्तापूर्ण जल आपूर्ति, सीवरेज निर्माण एवं उपचार तथा स्टॉर्म वॉटर मैनेजमेंट के क्षेत्र में कार्यरत इंजीनियरों, वैज्ञानिकों एवं प्रोफेशनल्स का अग्रणी संगठन है।

2.

पर्वतारोही मनस्वी अग्रवाल



- हाल ही में, उदयपुर निवासी मनस्वी अग्रवाल दक्षिण अमेरिका की सबसे ऊँची चोटी माउंट अकांकागुआ (6,961 मीटर) पर चढ़ाई करने वाली राजस्थान की दूसरी महिला बनी।
- मनस्वी से पहले गीता सामोता ने माउंट अकांकागुआ पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की थी।
- ज्ञातव्य है कि अंटार्कटिका महाद्वीप की सबसे ऊँची पर्वत चोटी माउंट विन्सन मैसिफ (4892 मीटर) को फतह करने वाली मनस्वी अग्रवाल राजस्थान की पहली पर्वतारोही है।

3.

हरिद्वार के बैरागी द्वीप पर महाराणा प्रताप पर केंद्रित झाँकी

- हाल ही में, अखिल विश्व गायत्री परिवार की ओर से हरिद्वार के बैरागी द्वीप में मनाए गए शताब्दी समारोह के अंतर्गत ज्योति कलश यात्रा में महाराणा प्रताप पर आधारित झाँकी का प्रदर्शन किया गया।

4.

'भूकंप सुरक्षा एवं भूकंप मानक' विषय पर संगोष्ठी



The poster features a background of architectural drawings and a green field. At the top, there are logos for BMAPC, MNIT Jaipur, and the Bureau of Indian Standards. The main text reads: 'NATIONAL SEMINAR ON Earthquake Safety in India Towards Safety of the Built Environment and Heritage Structures Commemorating the 25th Year of 2001 Bhuj Earthquake'. The dates are 'January 23-24, 2026' at the 'Rajasthan International Center, Sansthan Path, LJN Marg, Jaipur'. A QR code is provided for registration.

- वर्ष 2001 के भुज भूकंप की 25वीं वर्षगांठ के उपलक्ष में हाल ही में जयपुर में 'भूकंप सुरक्षा एवं भूकंप मानक' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
- **आयोजन** : 23 और 24 जनवरी, 2026 तक राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, जयपुर।
- **आयोजक** : मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (MNIT) जयपुर, बिल्डिंग मटेरियल टेक्नोलॉजी प्रमोशन काउंसिल, भारतीय मानक ब्यूरो।
- **उद्देश्य** : संरचनात्मक इंजीनियरों, वास्तुकारों और आपदा प्रबंधन पेशेवरों की विशेषज्ञता को बढ़ाना।

--:4:--

5.	<p>पर्यटक वाहनों पर 'यात्री कर' (22 वर्ष बाद पुनः शुरुआत)</p> <ul style="list-style-type: none">■ जैसलमेर नगर परिषद् ने 22 वर्ष बाद फिर से शहर में प्रवेश करने वाले पर्यटक वाहनों पर यात्री कर लगाने का निर्णय लिया है।■ इस संबंध में राजस्थान स्वायत्त शासन विभाग द्वारा स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है।
6.	<p>टॉम टॉम ट्रेफिक इंडेक्स - 2025 में जयपुर 30वें स्थान पर</p> <ul style="list-style-type: none">■ हाल ही में, नीदरलैंड्स की टॉमटॉम कंपनी द्वारा जारी टॉम टॉम ट्रेफिक इंडेक्स - 2025 में ट्रेफिक कंजेशन के मामले में जयपुर 30वें स्थान पर है। जयपुर का ट्रेफिक कंजेशन 58.7 प्रतिशत है।■ इस इंडेक्स में भारत की सिलिकॉन वैली के नाम से मशहूर बेंगलुरु विश्व में दूसरा सबसे अधिक ट्रेफिक जाम वाला शहर है। बेंगलुरु का यातायात ट्रेफिक जाम (ट्रेफिक कंजेशन) का स्तर 74.4 फीसदी है।
7.	<p>राजस्थान की पहली पॉइजन डिटेक्शन ड्रग लेवल टॉक्सिकोलॉजी लैब</p> <ul style="list-style-type: none">■ - जयपुर के सवाई मान सिंह अस्पताल में राजस्थान की पहली और उत्तर भारत की अत्याधुनिक पॉइजन डिटेक्शन ड्रग लेवल टॉक्सिकोलॉजी लैब की शुरुआत की गई है।■ इस लैब की मदद से पता लगाया जा सकेगा कि मरीज ने किस प्रकार का जहर खाया है या उसे किस जहरीले जानवर ने काटा है, जिससे सटीक और समय पर इलाज संभव हो सकेगा।
8.	<p>PM विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत प्रदर्शनी एवं व्यापार मेला</p> <ul style="list-style-type: none">■ हाल ही में, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत अजमेर में प्रदर्शनी एवं व्यापार मेले का आयोजन किया गया।■ आयोजन : 23 से 25 जनवरी, 2026 तक।■ PM विश्वकर्मा योजना 17 सितंबर, 2023 को शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों को सशक्त बनाना और उन्हें आर्थिक सहायता प्रदान करना है, इसमें कौशल उन्नयन, टूलकिट प्रोत्साहन और ऋण सहायता शामिल है।■ इस योजना के अंतर्गत 18 श्रेणियों के पारंपरिक कामगारों एवं श्रमिकों को कम ब्याज दर पर ऋण, आधुनिक टूल किट, प्रशिक्षण और उनके उत्पादों के लिए विपणन की व्यवस्था है।

9.	<p>सरस्वती वंदन, युवा संवाद एवं मेगा PTM</p> <ul style="list-style-type: none">23 जनवरी, 2026 को बसंत पंचमी एवं नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयन्ती के अवसर पर कॉमर्स कॉलेज (राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर) में सरस्वती वंदन, युवा संवाद एवं मेगा पैरेंट टीचर मीटिंग (PTM) का आयोजन किया गया।
10.	<p>राजस्थान संपर्क पोर्टल</p> <ul style="list-style-type: none">राज्य सरकार द्वारा राजस्थान संपर्क शिकायत निवारण पोर्टल पर नागरिकों की सुविधा एवं पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से एक नई सुविधा प्रारंभ की गई है। नई व्यवस्था के अंतर्गत निस्तारित शिकायतों की एक्शन टेकन रिपोर्ट (ATR) निस्तारण के बाद व्हाट्सएप के माध्यम से शिकायतकर्ता को भी उपलब्ध कराई जाएगी।राजस्थान संपर्क पोर्टल राज्य सरकार का एक एकीकृत शिकायत निवारण मंच है। इसका मुख्य उद्देश्य नागरिकों की सरकारी सेवाओं से संबंधित समस्याओं का समाधान करना है।
11.	<p>BSF का 'ऑपरेशन सर्द हवा'</p> <ul style="list-style-type: none">22 से 27 जनवरी, 2026 तक सीमा सुरक्षा बल (BSF) द्वारा राजस्थान बॉर्डर पर 'ऑपरेशन सर्द हवा' का आयोजन किया जा रहा है।'ऑपरेशन सर्द हवा' सीमा सुरक्षा बल (BSF) द्वारा राजस्थान की पश्चिमी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर चलाया जाने वाला एक नियमित वार्षिक सुरक्षा अभियान है।उद्देश्य : सर्दियों में कोहरे और धुंध का फायदा उठाकर होने वाली घुसपैठ और तस्करी की घटनाओं को रोकना।नोट : सीमा सुरक्षा बल (BSF) की स्थापना 1 दिसंबर, 1965 को भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद सीमा सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए की गई थी। इसका आदर्श वाक्य "जीवन पर्यन्त कर्तव्य" (Duty Unto Death) है।

12.	<p>सुनीता धोबी और सुरेंद्र बिश्रोई</p> <ul style="list-style-type: none">■ उत्तराखंड के रुड़की में आयोजित 23वीं सीनियर एवं दूसरी जूनियर/सब-जूनियर नेशनल पैरा पावरलिफ्टिंग चैम्पियनशिप में जयपुर की सुनीता धोबी ने 79 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीता।■ साथ ही, कोलायत (बीकानेर) निवासी सुरेंद्र बिश्रोई ने भी इसी प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता।
13.	<p>राज्य स्तरीय बड़ली भैरू पशु मेला, 2026</p> <ul style="list-style-type: none">■ आयोजन : 28 जनवरी से 1 फरवरी, 2026 तक जोधपुर में।■ आयोजक : पशुपालन विभाग राजस्थान।
14.	<p>AIIMS जोधपुर का अनुसंधान सप्ताह</p> <ul style="list-style-type: none">■ अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) जोधपुर द्वारा 12 से 17 जनवरी, 2026 तक अनुसंधान सप्ताह का आयोजन किया गया।■ यह अनुसंधान क्षमता को मजबूत करने, नवाचार को बढ़ावा देने और सभी विषयों में वैज्ञानिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन की गई केंद्रित कार्यशालाओं की एक गतिशील श्रृंखला है।
15.	<p>राज्य स्तरीय किसान मेला 'किन्नू महाकुंभ'</p> <ul style="list-style-type: none">■ राजस्थान सरकार द्वारा श्री गंगानगर में 23 से 25 जनवरी, 2026 तक राज्य स्तरीय किसान मेला 'किन्नू महाकुंभ' का आयोजन किया गया।
16.	<p>कोग्निवेरा पोलो कप, 2026</p> <ul style="list-style-type: none">■ 26 जनवरी से 1 फरवरी, 2026 तक राजस्थान पोलो ग्राउंड, जयपुर में कोग्निवेरा पोलो कप, 2026 का आयोजन किया जा रहा है।■ इस पोलो कप में विश्व की सबसे ऊँची पोलो ट्रॉफी प्रदर्शित की गई है।■ ऊँचाई - 7.1 फीट, वजन - 65 किलोग्राम।



LR-AshM



चर्चा में क्यों?

- DRDO 77वें गणतंत्र दिवस परेड के दौरान कर्त्तव्य पथ पर लम्बी दूरी की एंटी शिप हाइपरसोनिक मिसाइल (LR-AShM) और उसके लॉन्चर का प्रदर्शन करेगा।



मुख्य बिन्दु:

अतिरिक्त जानकारी-

- **विकास:** DRDO - रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन।
- यह एक हाइपरसोनिक ग्लाइड मिसाइल है, जिसे भारतीय नौसेना की तटीय रक्षा और हमले की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- यह मिसाइल स्थिर और गतिशील दोनों प्रकार के समुद्री लक्ष्यों को भेदने में सक्षम है और कई प्रकार के पेलोड कॉन्फिगरेशन ले जा सकती है।



अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य



बोर्ड ऑफ पीस



चर्चा में क्यों?

- अमेरिकी राष्ट्रपति ने बोर्ड ऑफ पीस के गठन की घोषणा की, जिसमें भारत को भी आमंत्रित किया गया, हालांकि भारत अनुपस्थित रहा।



मुख्य बिन्दु:

- गठन की घोषणा के समय 19 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए।
- इनमें अर्जेंटीना, कनाडा, मिश्र, सऊदी अरब, तुर्की शामिल है।

बोर्ड ऑफ पीस - अतिरिक्त जानकारी -

- यह एक प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय संगठन है। यह एक अस्थाई शासकीय निकाय के रूप में कार्य करेगा।
- **उद्देश्य:** इसे मुख्य रूप से युद्ध के बाद गाजा के प्रबंधन और पुनर्निर्माण के लिए बनाया गया है। हालांकि इसका दायरा अन्य वैश्विक संघर्षों तक भी बढ़ाया जा सकता है।

सदस्यता:

- इसकी अध्यक्षता अमेरिकी राष्ट्रपति करेंगे।
- इसमें चुनिंदा वैश्विक नेताओं का कार्यकारी बोर्ड होगा।
- सदस्यता नियन्त्रण आधारित होगी।
- इसमें कुछ निश्चित अवधि के सदस्य होंगे। कुछ स्थाई और मौद्रिक भुगतान करने वाले सदस्य भी होंगे।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् - UNSC

चर्चा में क्यों?

- G4 देश ने UNSC में सुधार प्रस्तावित किए हैं तथा UNSC के पुनर्गठन के लिए एक शीघ्र कार्रवाई मॉडल प्रस्तुत किया है।

मुख्य बिन्दु:

- G4 देश (भारत, ब्राजील, जर्मनी, जापान) सुरक्षा परिषद् में स्थाई सदस्यता के लिए एक-दूसरे के दावे का समर्थन करते हैं।

प्रस्तावित प्रमुख सुधार:-

- परिषद् का विस्तार:- सीटों की संख्या बढ़ाकर 25 या 26 करना, जिसमें निम्नलिखित शामिल है-

- 6 नए स्थाई सदस्य (कुल 11 स्थाई सीटें)
- 14 या 15 अस्थायी सदस्य

नयी स्थाई सीटों का क्षेत्रीय वितरण:-

- 2 सीट अफ्रीका से
- 2 सीट एशिया प्रशांत से
- 1 सीट लेटिन अमेरिका व कैरेबियाई देशों से
- 1 सीट पश्चिमी यूरोपीय व अन्य देशों से

UNSC में सुधारों की आवश्यकता क्यों-?

- पुरानी शक्ति संरचना- आधुनिक शक्ति संतुलन व ग्लोबल साउथ के हितों की उपेक्षा।
- वीटो गतिरोध:- प्रमुख संघर्षों जैसे यूक्रेन, गाजा आदि मुद्दों में परिषद् निष्क्रिय हो जाती है।
- लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व का अभाव:- भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश का प्रतिनिधित्व नहीं।
- वित्तीय निर्भरता:- अमेरिका जैसे बड़े दानदाताओं पर उच्च निर्भरता परिषद् के कार्यों पर अनुचित प्रभाव का जोखिम।

Daily Current Affairs

Date : 24 January, 2026



UNSC अतिरिक्त जानकारी:-

- **स्थापना:-** वर्ष 1945 में संयुक्त राष्ट्र के 6 प्रमुख अंगों में से एक के रूप में स्थापित।
- **कार्य:-** अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने की प्राथमिक जिम्मेदारी।

संरचना:-

- **5 स्थाई सदस्य (P5) व 10 अस्थाई सदस्य।**
- **P5 - चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन, संयुक्त राज्य अमेरिका।**
- **10 अस्थाई सदस्य:-** महासभा द्वारा 2 वर्ष के कार्यकाल के लिए चुने जाते हैं। ये तत्काल पुनर्निर्वाचन के पात्र नहीं होते।

UTKARSH

CIVIL
SERVICES

-:11:-

⌚ विज्ञान प्रौद्योगिकी ⚡

सैन्य क्वांटम मिशन नीति ढाँचा

📢 चर्चा में क्यों?

- 22 जनवरी, 2026 को चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने सशस्त्र बलों में क्वांटम प्रौद्योगिकी के समावेशन से संबंधित पॉलिसी फ्रेमवर्क जारी किया।

📌 मुख्य बिन्दु:

- **परिचय:** यह एक व्यापक नीतिगत दस्तावेज है, जिसमें सशस्त्र बलों में क्वांटम प्रौद्योगिकियों के कार्यान्वयन हेतु नीति एवं रोडमैप निर्धारित किया गया है।
- **उद्देश्य:** तीनों सेनाओं को भविष्य के युद्धक्षेत्र की चुनौतियों के लिए सक्षम बनाना और तेजी से परिवर्तित हो रहे वैश्विक परिदृश्य में तकनीकी वर्चस्व प्राप्त करना।
- **स्तंभ:** क्वांटम प्रौद्योगिकी के चार प्रमुख स्तंभों (निम्नलिखित) को तीनों सेनाओं में एकीकृत करना।
 1. क्वांटम संचार
 2. क्वांटम कंप्यूटिंग
 3. क्वांटम सेंसिंग एंड मेट्रोलॉजी
 4. क्वांटम सामग्री एवं उपकरण

विशेषताएँ:

1. क्वांटम एकीकरण के 4 स्तंभों पर केंद्रित।
2. त्रि सेवा संयुक्तता : यह तीनों सेनाओं के एकीकरण पर जोर देता है।
3. नागरिक-सैन्य संलयन मॉडल : यह समर्पित शासी निकायों के माध्यम से शिक्षा जगत, स्टार्टअप, उद्योग और कई सरकारी क्षेत्रों का लाभ उठाता है।
4. भविष्य के युद्ध क्षेत्र के लिए दिशानिर्देश: सुरक्षित संचार, त्वरित निर्णय, बेहतर संवेदन और साइबर - इलेक्ट्रॉनिक खतरों के विरुद्ध लचीलेपन को संबोधित करना।
5. कार्यान्वयन ढाँचा: यह कार्यान्वयन को चरणबद्ध तथा संस्थागत तंत्र व शासन संरचनाओं का खाका प्रदान करता है।

आर्थिक परिदृश्य

निर्यात संवर्धन मिशन (EPM)

चर्चा में क्यों?

- भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने निर्यात प्रोत्साहन के तहत निर्यात ऋण पर ब्याज सब्सिडी देने के लिए परिचालन दिशानिर्देश जारी किए हैं, जिससे निर्यातकों को निर्यात संवर्धन मिशन (EPM) के दायरे में लाया जा सके।
- भारत ने वर्ष 2025 में 47 अरब डॉलर का रिकॉर्ड इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात हासिल किया है।

मुख्य बिन्दु:

इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात:

- लगभग 30 अरब डॉलर उत्पादन आधारित प्रोत्साहन से संचालित स्मार्टफोन के निर्यात से प्राप्त हुए।
- इलेक्ट्रॉनिक्स, देश का तीसरा बड़ा निर्यात है।
- वर्ष 2015 से इलेक्ट्रॉनिक निर्यात में 11 गुना वृद्धि हुई है।
- महिलाओं की मजबूत भागीदारी, सुक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए अवसरों और युवाओं के दीर्घकालिक कौशल विकास के साथ 25 लाख नए रोजगार सृजित हुए हैं।

निर्यात प्रोत्साहन मिशन:

- **परिचय:** एक मिशन आधारित एकीकृत राष्ट्रीय ढाँचा है, जिसका उद्देश्य निर्यातकों के लिए वित्तीय सहायता, बाजार पहुँच, अनुपालना तत्परता और डिजिटल शासन को एकीकृत भारत में स्वस्थ प्रतिस्पर्धी निर्यात को बढ़ावा देना।
- **शुरुआत :** केंद्रीय बजट 2025-26
- **मिशन की अवधि :** वित्तीय वर्ष 2025-26 से 2030-31 तक (6 वर्ष)

Daily Current Affairs

Date : 24 January, 2026



- नोडल कार्यान्वयन एजेंसी : विदेश व्यापार महानिदेशालय
- कुल वित्तीय परिव्यय: 25,060 करोड़ रुपये।
- लक्षित क्षेत्र: उन क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाएगी जो निजीकरण (टैरिफ वृद्धि) से प्रभावित है, इनमें कपड़ा, चमड़ा, रत्न और आभूषण, इंजीनियरिंग समान और समुद्री उत्पाद जैसे क्षेत्र शामिल है।
- दो एकीकृत उप योजनाएँ :
 1. निर्यात प्रोत्साहन/वित्तीय सहायक: पूर्व व पश्च ऋण पर ब्याज सब्सिडी, वित्तपोषण संपार्श्विक सहायता व ई कॉमर्स निर्यातक क्रेडिट कार्ड
 2. निर्यात दिशा/गैर-वित्तीय सहायक: गुणवत्ता प्रमाणीकरण, ब्रांडिंग, व्यापार मेले, रसद व भण्डारण सहायता, परिवहन व क्षमता निर्माण सहायता।
- अन्य महत्त्वपूर्ण बिंदु :
 - भारत का निर्यात:
 - सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में योगदान : वित्त वर्ष 2024-25 में कुल GDP में 21 प्रतिशत हिस्सेदारी।
 - रोजगार: निर्यात उन्मुख उद्योगों में 4.5 करोड़ से अधिक व्यक्ति प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से नियोजित है।
 - MSMEs की भूमिका: भारत के कुल निर्यात में MSMEs का योगदान लगभग 45% है।
 - वैश्विक हिस्सेदारी : वस्तुओं और सेवाओं के वैश्विक निर्यात में भारत की हिस्सेदारी लगभग 2.5% है।

--:15:--



महत्त्वपूर्ण सूचकांक एवं रिपोर्ट



वायु गुणवत्ता प्रबन्धन आयोग (CAQM): रिपोर्ट



चर्चा में क्यों?

- दिल्ली-NCR में वायु प्रदूषण के कारणों पर वायु गुणवत्ता प्रबन्धन आयोग ने रिपोर्ट जारी की।



मुख्य बिन्दु:

- यह विशेषज्ञ रिपोर्ट MC मेहता बनाम भारत संघ मामले में उच्चतम न्यायालय के संबंधित आदेश के बाद तैयार की गई थी।

रिपोर्ट के मुख्य बिन्दु:

- द्वितीयक पार्टिकुलेट मैटर (PM):** यह दिल्ली के सर्दी के मौसम में प्रदूषण में सबसे बड़ा योगदानकर्ता है। यह प्रदूषण में 27 प्रतिशत का योगदान करता है।
- द्वितीयक पार्टिकुलेट मैटर सूक्ष्म कण होते हैं। ये प्रत्यक्ष रूप से उत्सर्जित नहीं होते हैं, बल्कि वायुमण्डल में मौजूद गैसों के बीच रासायनिक अभिक्रियाओं से बनते हैं।
- उदाहरण:** अमोनियम नाइट्रेट, अमोनियम सल्फेट, एरोसोल।
- सर्दियों में प्रदूषण के अन्य प्रमुख कारक:** परिवहन 23 प्रतिशत योगदान के साथ सबसे बड़ा प्राथमिक स्रोत है। इसके बाद बायोमास दहन (20%) का स्थान है। धूल की हिस्सेदारी 15 प्रतिशत है जबकि ताप विद्युत संयंत्रों सहित उद्योगों का योगदान 9 प्रतिशत है।
- सीमा-पार प्रदूषण:** दिल्ली में PM 2.5 का लगभग दो-तिहाई हिस्सा दिल्ली की सीमाओं के बाहर से आता है।

प्रकृति के लिए वित्त की स्थिति रिपोर्ट-2026

चर्चा में क्यों?

- संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम- UNEP ने प्रकृति के लिए वित्त की स्थिति रिपोर्ट-2026 जारी की।

मुख्य बिन्दु:

- यह रिपोर्ट वैश्विक व्यय में वित्तीय असंतुलन पर प्रकाश डालती है। यह व्यय प्रकृति सकारात्मक वित्त की तुलना में प्रकृति नकारात्मक वित्त की ओर अधिक झुका हुआ है।
- **प्रकृति सकारात्मक वित्त :-** उन गतिविधियों में निवेश करना, जो पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देती है, जैसे प्रकृति आधारित समाधान।
- **प्रकृति नकारात्मक वित्त:-** वे निवेश जो प्राकृतिक अवसंरचना को नुकसान पहुँचा सकते हैं, जैसे पर्यावरण के लिए हानिकारक सब्सिडी।

नागरिक - केंद्रित सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज

चर्चा में क्यों?

- भारत के लिए एक नागरिक केंद्रित स्वास्थ्य प्रणाली' रिपोर्ट में भारत के लिए नागरिक केंद्रित सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज की प्राप्ति हेतु रोडमैप प्रस्तुत किया गया है।

मुख्य बिन्दु:

- जारीकर्ता: द लैसेट

रिपोर्ट के मुख्य बिंदु:

1. **स्वास्थ्य पर सार्वजनिक व्यय:** भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 के 2.5% लक्ष्य से कम है अर्थात् यह सकल घरेलू उत्पाद के 2% से भी कम है।
2. **इनपुट आधारित शासन :** स्वास्थ्य प्रशासन कठोर 'लाइन आइटम बजट' पर निर्भर करता है जो स्थानीय नवाचार और स्थानीय बीमारियों के बोझ के प्रति जवाबदेही को बाधित करता है।
3. **प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा में अंतर:** रिपोर्ट के अनुसार बीमा योजनाएँ अस्पताल केंद्रित है, जिससे बाह्य रोगी देखभाल असुरक्षित है।
4. **जेब से होने वाला व्यय (OOPE) :** भारत में कुल स्वास्थ्य व्यय का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा जेब से व्यय होता है जो वैश्विक स्तर पर सर्वाधिक है।
5. **सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (UHC) में बाधाएँ :** असमान स्वास्थ्य गुणवत्ता, स्वास्थ्य विखंडन और कुप्रशासन।
6. **कवरेज :** गरीबों के पास सरकारी सेवाएँ तथा अमीरों के पास निजी बीमा है; वहीं मध्यम वर्ग अक्सर स्वास्थ्य संबंधी खर्च का सामना कर रहे हैं।

रिपोर्ट की सिफारिशें :

- वैश्विक बजट व स्वास्थ्य सेवा का विकेंद्रीकरण :** जिलों के लिए कठोर मद आधारित बजट से हटकर वैश्विक बजट की ओर बढ़ना होगा।
 - पंचायतीराज संस्थाओं (PRI) और शहरी स्थानीय निकायों (ULB) को स्थानीय स्वास्थ्य केंद्रों के प्रबंधन के लिए सशक्त बनाना।
 - नोट :** रिपोर्ट में केरल मॉडल को अपनाने का सुझाव दिया गया है जहाँ स्थानीय सरकारों का स्वास्थ्य सेवाओं पर नियंत्रण है।
- सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के लिए प्राथमिक साधन:** स्वास्थ्य प्रणाली सार्वजनिक रूप से वित्तपोषित और सार्वजनिक रूप से प्रदान की जानी चाहिए।
- स्वास्थ्य में प्रौद्योगिकी का उपयोग:** गोपनीयता को खतरों में डालने वाले केंद्रीकृत डेटाबेस के बजाय रिपोर्ट एक संघबद्ध डेटा संरचना (डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 के अनुरूप) की सिफारिश की गई।
 - आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन को प्रभावी रूप से लागू करना।
 - AI और जीनोमिक्स का उपयोग किया जाए।
- नागरिक सहभागिता में वृद्धि:** जन सुनवाई और रोगी कल्याण समितियों जैसी सार्वजनिक भागीदारी के लिए औपचारिक तंत्र बनाया जाए जिसमें स्वास्थ्य केंद्रों की ऑडिट करने की शक्ति निहित हो।

इतिहास

सुभाष चंद्र बोस : पराक्रम दिवस

चर्चा में क्यों?

- 23 जनवरी, 2026 को केंद्र सरकार ने सुभाष चंद्र बोस की 129वीं जयंती के उपलक्ष्य में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में पराक्रम दिवस, 2026 का आयोजन किया।
- सिक्किम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को संस्थागत श्रेणी और लेफ्टिनेंट कर्नल सीता अशोक शेल्के को व्यक्तिगत श्रेणी में सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार, 2026 प्रदान किया गया।
- 23 जनवरी, 2026 को प्रधानमंत्री संग्रहालय में नेताजी की जयंती के उपलक्ष्य में 'द पेट्रियट्स पाथ : लाइफ एंड लेगेसी ऑफ नेताजी सुभाष चंद्र बोस' शीर्षक से एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

मुख्य बिन्दु:

पराक्रम दिवस समारोह

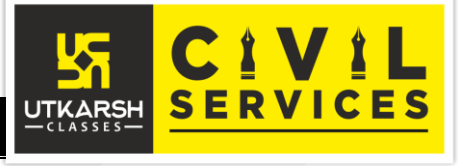
- **शुरुआत:** वर्ष 2021 (पहला); विक्टोरिया मेमोरियल, कोलकाता
- **वर्ष 2022 :** नई दिल्ली के इंडिया गेट पर नेताजी की होलोग्राम प्रतिमा का अनावरण।
- **वर्ष 2023 :** अंडमान और निकोबार के 21 द्वीपों का नाम परमवीर चक्र से सम्मानित सोमनाथ शर्मा और जदुनाथ सिंह के नाम पर रखा गया।
- **वर्ष 2025 का राष्ट्रीय पराक्रम दिवस समारोह:** बाराबती किला, कटक, ओडिशा।

सुभाष चंद्र बोस अपदा प्रबंधन पुरस्कार, 2026:

- **स्थापना :** वर्ष 2019
- **प्रशासित:** आपदा प्रबंधन प्रभाग, केंद्रीय गृह मंत्रालय
- **पात्रता :** केवल भारतीय नागरिक व संस्था।

Daily Current Affairs

Date : 24 January, 2026



राशि:

- **संस्था** : 51 लाख रुपये + प्रमाण पत्र
- **व्यक्ति**: 5 लाख रुपये + प्रमाण पत्र
- **वर्ष 2026 के विजेता** :

संस्थागत श्रेणी	सिक्किम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (स्थापना; वर्ष 2005)	योगदान : इसने 1185 प्रशिक्षित आपदा मित्रों को 3 स्तरों - गाँव (आपदा प्रबंधन सहायक), ब्लॉक (आपदा प्रबंधन पर्यवेक्षक) और जिला (आपदा प्रबंधन समन्वयक) पर तैनात किया।
व्यक्तिगत श्रेणी	लेफ्टिनेंट कर्नल सीता अशोक शेल्के	योगदान : शेल्के ने वर्ष 2024 में केरल के वायनाड में बाढ़ और भूस्खलन के दौरान बड़े पैमाने पर माननीय सहायता और आपदा राहत अभियानों का नेतृत्व किया।

- **नोट**: सिक्किम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने वर्ष 2016 के मंतक भूस्खलन और वर्ष 2023 की तीस्ता बाढ़ जैसी गंभीर आपदाओं के दौरान, SSDMA के रियल टाइम कोऑर्डिनेशन और प्रशिक्षित फर्स्ट रिस्पॉन्डर्स ने 2563 लोगों को बचाने में सहायता की और जान माल के नुकसान को कम किया।

प्रधानमंत्री संग्रहालय में प्रदर्शनी:

- **प्रदर्शनी का शीर्षक**: "द पैट्रियट्स पाथ: लाइफ एंड लेगेसी ऑफ नेताजी सुभाष चंद्र बोस"
- **इस फोटो प्रदर्शनी में विभिन्न खंड हैं, जिनके शीर्षक हैं** : द ग्रेट एस्केप, आजाद हिंद गवर्नमेंट, चलो दिल्ली-द मार्च ऑफ इंडियन नेशनल आर्मी, बियोड मिस्ट्री: द इममॉर्टल लिगेसी, द रानीज ऑफ आजाद हिंद।

--:21:--

नेताजी सुभाष चंद्र बोस :

आरंभिक परिचय:

- **जन्म :** वर्ष 1897, कटक, ओडिशा।
- इंग्लैंड में भारतीय सिविल सेवा (ICS) परीक्षा 1920 उत्तीर्ण की तथा इस्तीफा दे दिया।
- **वैचारिक आधार :** बोस रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद और बंकिम चंद्र चटर्जी (आनन्दमठ) से प्रेरित थे।
- उन्होंने पश्चिमी और भारतीय संस्कृतियों का एक संश्लेषण विकसित किया, जिसका केंद्र बिंदु भारत की स्वतंत्रता और पुनरुत्थान था।

स्वतंत्रता आंदोलन में ' भूमिका :

- **कांग्रेस के साथ मतभेद :** वर्ष 1938 में 'हरिपुरा अधिवेशन के अध्यक्ष चुने गए, इन्होंने स्वराज की वकालत की तथा भारत सरकार अधिनियम, 1935 के तहत भारतीय संघ के गठन का विरोध किया।
- वर्ष 1939 में त्रिपुरी अधिवेशन में नेताजी को हटाकर गाँधी समर्थित डॉ. पट्टाभि सीतारमैया को अध्यक्ष के रूप में चुना गया।
- बोस ने 29 अप्रैल, 1939 को कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दे दिया।
- **समाजवादी आर्थिक दृष्टिकोण :** राज्य के नेतृत्व वाले औद्योगीकरण, वैज्ञानिक योजना और आर्थिक आत्मनिर्भरता की वकालत करते हुए राष्ट्रीय योजना समिति (वर्ष 1938) की स्थापना की (अध्यक्षता : जवाहरलाल नेहरू)।
- **फॉरवर्ड ब्लॉक और कट्टरपंथी लामबंदी :** वामपंथियों, युवाओं और श्रमिकों को एकजुट करने के लिए राष्ट्रीय मंच के रूप में वर्ष 1939 में फॉरवर्ड ब्लॉक की स्थापना की।
- **इंडियन नेशनल आर्मी (INA)/आजाद हिंद फौज:** भारत के स्वतंत्रता संग्राम में नेताजी का सबसे क्रांतिकारी योगदान द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भारतीय राष्ट्रीय सेना का नेतृत्व करना था।

- इंडियन नेशनल आर्मी का पहली बार गठन मोहन सिंह और जापानी मेजर फुजियारा के नेतृत्व में किया गया था तथा इसमें मलय (मलेशिया) अभियान के दौरान सिंगापुर में जापान द्वारा कैद किए गए ब्रिटिश भारतीय सेना के युद्ध बंदियों को शामिल किया गया था।
- **INA का उद्देश्य :** सशस्त्र संघर्ष के माध्यम से भारत की पूर्ण मुक्ति (पूर्ण स्वराज) प्राप्त करना।
- **INA के वरिष्ठ अधिकारी :** शाह नवाज खान, प्रेम कुमार सहगल और गुरबख्श सिंह ढिल्लों।
- इसमें दक्षिण-पूर्व एशिया के भारतीय प्रवासी समुदाय के नागरिक भी शामिल थे।
- **INA के प्रसिद्ध नारें:** 'दिल्ली चलो', 'जय हिंद'।
- यह ब्रिटिश नियंत्रण से बाहर संप्रभु शासन स्थापित करने का भारत का पहला व्यावहारिक प्रयास था।
- **आजाद हिंद की अंतरिम सरकार (1943):**
- अक्टूबर, 1943 में नेताजी ने सिंगापुर में स्वतंत्र भारत की अंतरिम सरकार (आजाद हिंद) की स्थापना की।
- इसे जापान, जर्मनी और इटली जैसे देशों द्वारा मान्यता दी गई थी।
- **रानी झांसी रेजिमेंट :**
- **परिचय :** एक पूर्णतः महिला लड़ाकू इकाई।
- **नेतृत्व:** कप्तान लक्ष्मी सहगल।
- यह लैंगिक समानता, प्रगतिशील दृष्टिकोण और सशस्त्र संघर्ष में महिलाओं की सक्रिय भूमिका का प्रतीक था।
- **नेताजी सुभाष चंद्र बोस का अंतिम समय:** 18 अगस्त, 1945 को ताइहोकू (ताइवान) में एक विमान दुर्घटना में शहीद।
- **नोट-** नेताजी की मृत्यु पर गठित जांच आयोग:
 1. शाह नवाज़ समिति (वर्ष 1956)
 2. खोसला आयोग (वर्ष 1970)
 3. मुखर्जी आयोग (वर्ष 2006)